महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

युवाओं में गांधी, अंबेडकर, नेहरू के विचारों का करें बीजारोपण- डॉ. सिद्दीकी

वर्धा दि. 01 नवंबर 2012 : 'गांधी, अंबेडकर एवं नेहरू की विचारधारा की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता' विषय पर अकोला स्थित श्री शिवाजी कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर उदघाटन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी अंतररष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अनवर सिद्दीकी ने कहा कि जब-जब संकट कालीन स्थितियाँ उत्पन्न होगी गांधी, अंबेडकर एवं नेहरू की आवश्यकता अनुभूत होगी। आज वर्तमान दौर में युवाओं को उपयुक्त मार्ग और दिशा बताने वाला कोई नहीं है। फलत: युवा विघटनकारी एवं विध्वंसकारी गतिविधियों में संलिप्त होता जा रहा है। जबकि हमारे युवाओं से आशामयी संभावनाएं अधिक है। हमारा बुद्धिजीवी वर्ग निष्क्रिय बन बैठा है, यदि हम गांधी, अंबेडकर एवं नेहरू के विचारों को व्यावहारिकता के धरातल पर अपनाते है तो निश्चय ही एक नई क्रांति का बीजारोपण होगा। यही वजह है कि इन तीनों विभूतियाँ हमारे लिए प्रेरक एवं प्रासंगिक है।

श्री शिवाजी कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय में 29 एवं 30 अक्टूबर को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, महात्मा गांधी तथा पंडित नेहरू अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. सिद्दीकी ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में गांधी, अंबेडकर और नेहरू के विचारों को त्रिवेणी संगम की संज्ञा देते हुए कहा कि आज के युवाओं में आए भटकाव को रोकने के लिए उन्हें संरचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय करना चाहिए और आधुनिक भारत के इन निर्माताओं के विचारों से उन्हें सिंचित करना चाहिए। आचार्य विनोबा जी के विचारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि साधना, साधक और साध्य के प्रति विनोबा के विचारों पर अमल करने से हमें साध्य प्राप्त हो सकता है परंतु उसके लिए इन विभूतियों के विचार-मूल्यों को हमें हमारे जीवन में अपनाना चाहिए। संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. जी. भडांगे, डॉ. एम. आर. इंगले, डॉ. आर. एम. भिसे, डॉ. जे. एच. पवार, डी. एन. बेसेकर, अनुराग मिश्रा, डॉ. के. एस. खंडारे सहित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत जापान, चीन, बेल्जियम के छात्र, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे प्रमुखता से उपस्थित हुए थे।

बी. एस. मिरगे

जनंसपर्क अधिकारी